बोनस और BSNLEU की नौटंकी

BSNLEU को इस चुनाव में पराजय का सामना करने का आभास होते ही विभिन्न नौटंकी करना चालू करना पड रहा है, जो कर्मचारियों के बीच कोई असर नहीं पड रहा है और व्यर्थ साबित हो रहा है । इसका मुख्य कारण यह है कि कर्मचारियों ने यह महसूस किया कि 5 बार लगातार BSNLEU के मान्यता के चलते कर्मचारियों ने पूर्व के संघर्षों से प्राप्त तमाम सुविधावों जैसे बोनस, एल.टी.सी. मेडिकल,टी.ए. बिल का लाभ, ओ.टी. जैसे तमाम सुविधावों को बी.एस.एन.एल. प्रबंधन की चाटुकारिता करते हुवे बंद करवा दिया । यही कारण है कि BSNLEU के केंद्रीय नेतावों के चुनावी सभा से कर्मचारियों की भीड़ नदारद है ।

कर्मचारी भली भाँती समझ चुके हैं की BSNLEU एक धोखा है । BSNLEU के राष्ट्रीय, परिमंडल एवं जिला स्तर के नेता अपने हार को आभास करते हुवे बौखलाहट के चलते अब अफवाह फैलाकर कर्मचारियों को गुमराह करने कि कोशिश कर रहे है, जो व्यर्थ साबित हो रहा है । वर्त्तमान में BSNLEU के राष्ट्रीय महासचिव साथी अभिमन्यु ने तो बौखलाहट में ये तक भूल गए कि वो एक महत्वपूर्ण एवं एक यूनियन के मुख्य पद पर बैठे हुवे हैं, वे बौखलाहट में बिना सोचे समझे और अपने पद कि गरिमा को भूलते हुवे बोनस के सम्बन्ध में स्तरहीन अफवाह तक फैलाने लगे । वे शायद इस बात को भूल गए कि दो अंक बोनस का अफवाह लोग पचा नहीं पाएंगे, और BSNLEU के महासचिव अभिमन्यु जी अपने ही फैलाये हुवे चक्रव्यूह में फस गए ।

उनके दो अंक में बोनस वाले गणित कि झूठे प्रचार को कर्मचारी अब बकवास समझने लगे हैं, और इस बात को भी भली- भाँती समझ गए कि प्रबंधन को चुनाव पूर्व बोनस की घोषणा करने से रोकने हेतु षड्यंत्र मात्र था ये बोनस के नाम पर दो अंक बोनस का अफवाह और दिखावटी आंदोलन ।कर्मचारियों को बोनस प्राप्ति के नजदीक होने के आभास से नौटंकी कर BSNLEU का बोनस रोकना क्या उचित है? शायद BSNLEU इस बात को भूल गया है कि प्रत्येक कर्मचारी इस बात से वाकिफ हो चुके हैं कि NFTE के मान्यता मिलने के पश्चात ही एवं प्रयास से ही प्रबंधन द्वारा बोनस दिए जाने पर सहमत हुवे । और BSNLEU को इस बात को समझ लेना चाहिए कि बोनस जब भी मिले- चाहे चुनाव पूर्व या बाद मे इसका श्रेय कर्मचारी NFTE को ही देगा ।